करनाल का युद्ध

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

फरवरी 1739 में **करनाल के युद्ध** में **फारसी शासक नादिर शाह** के हाथों **मुगल सम्राट मुहम्मद शाह रंगीला** की हार हुई, जो भारतीय इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था।

- इसने न केवल **नादिर शाह की सैन्य शक्ति को प्रदर्शित किया**, बल्कि **मुगल साम्राज्य की कमज़ोरियों को भी उजागर किया**, जिसके कारण अंततः उसका पतन हो गया।

करनाल का युद्ध से संबंधित मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **पृष्ठभूमि:** फारस में अपने शासन को मज़बूत करने के बाद, **नादिर शाह** (जिसे फारस का नेपोलियन भी कहा जाता है) ने **अफगानिस्तान पर आक्रमण किया (1738)** और औरंगजेब की मृत्यु (1707) के बाद साम्राज्य की अस्थिरता का फायदा उठाते हुए **खैबर दर्रे के माध्यम से मुगल क्षेत्र** में आगे बढ़ा।
  - जनवरी 1739 तक नादिर शाह ने काबुल (जून 1738 में) तथा लाहौर पर भी कब्ज़ा कर लिया था।
- **सेना:** 300,000 सैनिकों के बावजूद, **मुगल सेना में समन्वय की कमी थी,** जबकि नादिर शाह के 50,000 अनुशासित सैनिकों ने कुंडा बंदूकों के साथ घुड़सवार बंदूकधारियों जैसी **उन्नत रणनीतियों को अपनाया**, जिससे मुगलों की पुरानी घुड़सवार सेना पर काबू पा लिया गया।
- **दिल्ली की लड़ाई और लूट:** नादिर शाह ने मुगल सेना को (3 घंटे के भीतर) पराजित कर, **दोवरान और सआदत खान** को मार डाला तथा मुहम्मद शाह को बंदी बना लिया।
  - इसके बाद उसने **दिल्ली (राजधानी शाहजहाँनाबाद) को लूटा तथा मयूर सिंहासन (????-?-????)** और **कोहिनूर हीरे** सहित अपार संपत्ति जब्त कर ली।
- **मुगल साम्राज्य पर प्रभाव:** आक्रमण ने **मुगल साम्राज्य को आर्थिक रूप से चकनाचूर** और कमजोर कर दिया, जिससे **बंगाल, अवध, हैदराबाद, मराठों** और **सिखों** का उदय हुआ।
  - इस **आक्रमण के परिणामस्वरूप सिंधु नदी के पश्चिम में स्थित मुगल प्रांतों,** अर्थात् अफगानिस्तान, कश्मीर, सिंध और मुल्तान, को फारस में मिला लिया गया।
  - इस कमज़ोरियों ने 18वीं और 19वीं शताब्दी में भारत में ब्रिटिश विस्तार को सुगम बना दिया।
- **युद्ध के कारण विदेशी आक्रमण:** नादिर शाह के सेनापति अहमद शाह अब्दाली ने **नादिर शाह की मृत्यु** के बाद **अफगानिस्तान** पर अपना शासन स्थापित किया।
  - उन्होंने **वर्ष 1748 और 1767 के बीच उत्तर भारत पर कई बार आक्रमण किया।** सबसे प्रसिद्ध **1761 में मराठों ([पानीपत की तीसरी लड़ाई]**) पर उनकी जीत थी।

बाद के मुगल जिन्होंने विदेशी आक्रमणों का सामना किया:

- **मुहम्मद शाह (1719-48):** अपनी विलासितापूर्ण जीवन शैली के **कारण इसे 'रंगीला'** की उपाधि दी गई।
  - निज़ाम-उल-मुल्क की मदद से सैयद बंधुओं की हत्या कर दी गई।
  - **आक्रमण का सामना:** नादिर शाह (1739) - **करनाल का युद्ध**।
- **आलमगीर द्वितीय (1754–59):**
  - **आक्रमण का सामना करना पड़ा:** अहमद शाह अब्दाली (जनवरी 1757)।
  - **प्रमुख युद्ध:** [प्लासी का युद्ध] **(जून 1757)** उनके शासनकाल के दौरान लड़ा गया था।
- **शाह आलम द्वितीय (1760-1806, अंतरकालिक शासन)**
  - **आक्रमणों का सामना करना पड़ा:**
    - **पानीपत का तीसरा युद्ध (1761)** - अहमद शाह अब्दाली (नजीब-उद-दौला (एक रोहिल्ला सरदार) और अवध के नवाब शुजा-उद-दौला के मध्य लड़ी गई थी।
    - [बक्सर का युद्ध (1764)] – ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी।

//

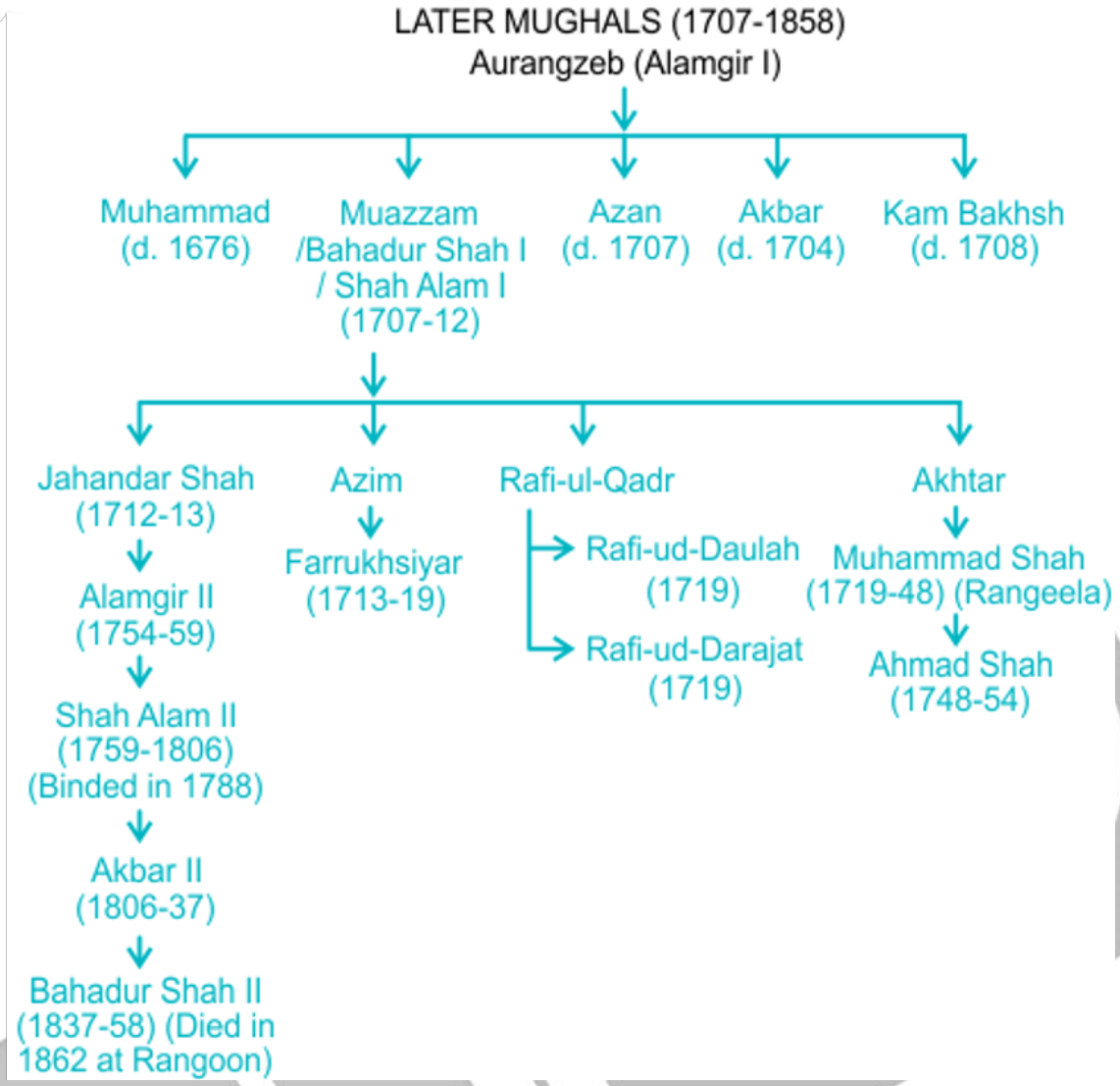

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/battle-of-karnal